

HOME DEPARTMENT

The 20th November, 1985

No. 14325/C-2.—In exercise of the powers conferred by clause (s) of section 2 of the Code of Criminal Procedure, 1973, and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby declare the creation of an additional Police Station Known as police Station Mela Kapal Mochan at Bilaspur for the period from 21st November, 1985 to 28th November, 1985. The jurisdiction of this Police Station shall be the same as that of the existing Police Station Bilaspur.

L. C. GUPTA

Secretary to Government, Haryana,
Home Department.

No. 14462/S-2(.)CASH Leave(.).—In accordance with the instructions contained in Haryana, Government Finance Department letter No. 11/5/78-FR-II, dated 13th August, 1978 and No. 11/5/78-FR-II, dated 21st August, 1978 read with the advice received from the Home Department, Haryana,—vide their letter No. 17/1/72-HGL, dated 25th April, 1979, the Governor of Haryana is pleased to grant cash payment in lieu of 180 days unutilised leave equivalent to leave salary to Shri Ram Sarup, DSP/CID/Hissar who has been retired on superannuation in the afternoon of 31st October, 1985 on the following conditions:—

1. The cash equivalent of leave salary thus admissible will be paid in the lump sum as one time settlement:—
2. The cash payment will be equal to leave salary admissible for earned leave and dearness allowances admissible on that leave salary at the rates in force on the date of retirement and no compensatory allowance, house rent allowance and kit maintenance allowance shall be payable.

It is certified shri Ram Sarup, DSP did not avail of any portion of L. P. R. of 180 days before the date of superannuation.

M. S. BAWA,

Joint Secretary and Director General of Police,
Haryana.

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 6 नवम्बर, 1985

क्रमांक 1216-ज-(2)-85/33517.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार श्रौंष्टि गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती सारां, विश्वनाथी दलीप सिंह, गांव बरहाना, तहसील सज्जर, जिला रोहतक, को खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ, 1970 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 15 नवम्बर, 1985

क्रमांक 1260-ज(I)-85/34425.—श्री श्री राम वैद, पुत्र श्री हुसम चन्द वैद, 487/8, प्रेमनगर, अम्बाला शहर की दिनांक 10 दिसम्बर, 1982, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री श्रीराम वैद को मुन्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2612-ज-(I)-72/31764, दिनांक 24 अगस्त, 1972 तथा अधिसूचना क्रमांक 1708-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती शान्ति बेनी के नाम खरीफ, 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।